भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1286

जिसका उत्तर दिनांक 09.12.2021 को दिया जाना है

कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत स्टेशन में खराबी

1286 श्री ए. विजयकुमार :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत स्टेशन द्वारा संस्वीकृत विद्युत की मात्रा कितनी है;

(ख) क्या हाल के वर्षों में परमाणु रिएक्टरों में खराबी के कारण नाभिकीय विद्युत स्टेशन बहुत बार बंद हुए हैं;

(ग) क्या सरकार तमिलनाडु राज्य में कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत स्टेशन को अद्यतन बनाने/इसके आधुनिकीकरण के लिए कदम उठाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) कुडनकुलम स्थल पर यूनिट-1 तथा 2-केकेएनपीपी 1 तथा 2 (2X1000 MW) के प्रचालन से वर्तमान प्रचालनरत क्षमता 2000 MW है। यह केकेएनपीपी-3 तथा 4 (2X1000 MW) और केकेएनपीपी-5 तथा 6 (2X1000 MW) जो वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, के पूरा होने से क्रमिक रूप से 6000 MW तक बढ़ जाएगी ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) तथा (घ) कुडनकुलम रिएक्टर संरक्षा की दृष्टि से अत्याधुनिक है और वर्तमान में कोई संरक्षा उन्नयन की आवश्यकता नहीं है । तथापि, संरक्षा संस्कृति और प्रणाली के अनुरूप संरक्षा की समीक्षा और वैश्विक अनुभव तथा मानकों को विकसित करने के अनुरूप उन्नयनों का कार्यान्वयन एक निरंतर प्रक्रिया है । टर्बो-जनरेटर में समस्याओं के कारण आरम्भ में कुडनकुलम रिएक्टरों (केकेएनपीपी 1 तथा 2) में कुछ शटडाउन थे, जिनका समाधान कर लिया गया है ।

* * * * *